गये--तो क्या कारण है कि जब वे रहने के काबिल नही थे तो कैसे मेडिकल वालों के रहने के काबिल हो गए ।

श्री मेहर चन्द खन्ना : तीन दिन हुए यह सवाल आया था और मैंने यह अर्ज़ की थी कि अगर माननीय सदस्य मुझे लिखे, उसके डीटेल लिखें, तो मैं इन्क्वायरी करने के लिये तैयार हू । लेकिन एक चीज़ मैं ज़रूर कह दू, जो मौलाना आज़ाद कालिज है, जो पन्त हासपिटल है, जिनका सम्बन्ध लोगों की जिन्दगी और सेहत से है उसके बारे में अगर मेरी यह कोशिश होगी कि उनके डाक्टरों और प्रोफसरों को मकान दे सकू तो मेरे लिये यह बड़ी खुशी का बायस होगा और मैं समझता हूं कि मुझे करना भी चाहिये ।

ALLOTMENT OF LAND TO M.PS. FOR CONSTRUCTION OF HOUSES

*355. SHRI ABDUL GHANI: Will the Minister of WORKS AND HOUSING be pleased to state:

(a) whether there is any proposal under consideration of Government to allot land in Delhi to those Members of Parliament who want to construct houses; and

(b) if so, what are the details of the proposal?

THE MINISTER OF WORKS AND HOUSING (SHRI MEHR CHAND KHANNA): (a) and (b) A request was received about a year ago from some Members of Parliament for the allotment of land in New Delhi for the setting up of a colony mainly for Parliamentarians. When I held discussions with some of the Members the position was not very clear. The matter has, therefore, not been pursued.

شری عبدالغنی : کیا وزیر صاحب فرمائیں گے کہ کیا ایسی کوئی تجویز ان کے سامنے آئی کہ پارلیمنٹ کے ممبران کی کوآپریٹو سوسائٹی بنے - تو کیا ان کو سرکار زمین دے پائے گی -

†[**श्री अब्दुल गनी** : क्या वज़ीर साहब फरमायेंगे कि क्या ऐसी कोई तजवीज़ उनके सामने आई कि पार्लियामेंट के मेम्बरान की कोआपरेटिव सोसाइटी बने । तो क्या उन को सरकार ज़मीन दे पायेगी ?]

श्री मेहर चन्द खन्ना : जहां तक कोआपरेटिव सोसाइटी का ताल्लुक है वह तो दिल्ली एडमिनिस्ट्रेशन डील करता है । जनाबेवाला, मैं अर्ज़ कर दूं कि मैं चाहता हूं कि मैं पार्लियामेन्ट के जो मेम्बर साहिबान हैं उन की सेवा करू लेकिन पार्लियामेन्ट के मेम्बर किसी हाउस में दो वर्ष होते है किसी मे चार वर्ष होते है, आज होते हैं कल चले जाते हैं । उन का अपना "पूल" भी है । तो अगर पार्लियामेन्ट के मेम्बरान चाहते हैं कि उनके लिये खास कालोनी बनाई जाय और वे सरकारी मकान नहीं लेना चाहते तो मै यह अर्ज़ करूगा कि दोनों हाउसेज़ की एक छोटी सी कमेटी बना दी जाय । मैं उनके साथ बैठ कर तमाम तफसील में जाने के लिये तैयार हूं और जो भी सेवा हो सकेगी करने के लिये तैयार हूं ।

شری عبدالغنی : کیا وزیر صاحب فرمائیں گے کہ دونوں ہاؤسز کی کمیٹی جو بنائی ہے وہ تو ہمارے اختیار میں نہیں- وہ تو آپ کے اختیار کی چیز ہے- اس لئے کیا آپ ایسا مناسب نہیں

†[ ] Hindi transliteration.

سمجھئے کہ آپ پارلیمنٹ کے ان ممبروں کو جو یہاں رہنا چاہتے ہیں۔ کئی ممبر تو بیس بیس برس چلتے چلے آ رہے ہیں پیارے لال کریل جیسے۔ تو کیا آپ کوئی ایسی جگہ دینے کے لئے تیار ہیں جہاں آپ ممبران کو ایکموڈیٹ کر سکیں -

†[श्री अब्दुल गनी : क्या वज़ीर साहब फरमायेंगे कि दोनों हाउसेज़ की कमेटी जो बनाई है वह तो हमारे अख्तियार मे नही । वह तो आपके अख्तियार की चीज़ है । इसलिए क्या आप ऐसा मुनासिब नही समझते कि आप पार्लियामेट के उन मेम्बरों को जो यहां रहना चाहते हैं— कई मेम्बर तो बीस बीस बरस चलते चले आ रहे हैं, प्यारे लाल 'कुरील' जैसे— तो क्या आप कोई ऐसी जगह देने के लिये तैयार हैं जहां आप मेम्बरान को एकोमोडेट कर सकें ।]

श्री मेहर चन्द खन्ना : मैं तो यही अर्ज करूंगा कि मेरा फर्ज़ है कि पार्लियामेन्ट के मेम्बर साहबान को सरकारी तरीके पर एकमोडेशन दूं । आज मैं कह सकता हूं, ६५ फी सदी पार्लियामेन्ट के मेम्बर साहबान को सरकारी तौर पर एकमोडेशन दी जा चुकी है । करीब १४४ नए फ्लैट्स रफी मार्ग पर बन रहे हैं और उन के लिये, जहा तक सरकारी तौर पर जगह देने का ताल्लुक है, कोई प्राबलम नहीं रहेगी । बाकी जो वे चाहते हैं कि पार्लियामेन्टरियन्स के लिए, एक्स पार्लियामेन्टरियन्स के लिए एक अलाहिदा कानून बने, योंकि जमीन का सवाल है, कीमत का सवाल है और ज़मीन का बंदोबस्त हो सकता है, तो कोई न कोई आदमी हो चाहे हाउस कमेटी हो, चाहे स्पीकर साहब हों, चाहे डिपुटी चेयरमैन हों और वे बैठ कर इस तरह की स्कीम को बना दे और उस में मैं आगे बढने के लिये तैयार हूं ।

شری اے - ایم - طارق : کیا یہ درست ہے کہ سرکار نے پچھلے چند سالوں میں کم تنخواہ اور کم آمدنی والے لوگوں کو کچھ رعایتیں دی ہیں- اس سلسلہ میں اگر پارلیمنٹ کے ممبران ایک کوآپریٹیو بنا کر رعایتی قیمت پر زمین کی درخواست کریں تو سرکار کا رویہ اس میں کیا ہوگا -

†[श्री ए० एम० तारिक : क्या यह दुरुस्त है कि सरकार ने पिछले चन्द सालों में कम तन्ख्वाह और कम आमदनी वाले लोगों को कुछ रियायत दी हैं ? इस सिलसिले में अगर पार्लियामेट के मेम्बरान एक कोआपरेटिव बना कर रियायती कीमत पर ज़मीन की दरख्वास्त करें तो सरकार का रवैया इस में क्या होगा ?]

श्री मेहर चन्द खन्ना : जहां तक मैं समझता हूं, मिनिस्टरों के लिये और पार्लियामेन्ट के मेम्बरान के लिये रूल्स बने हुए हैं । जो भी कोई रूल्स पार्लियामेन्ट बनाती है मैं उस पर अमल करने के लिये तैयार हूं । आप सावरेन बाडी हैं । अगर आज यह फैसला किया जाय कि . . .

(Interruptions)

SHRI A. M. TARIQ: Members of Parliament . . .

श्री मेहर चन्द खन्ना : मैं अभी सवाल का जवाब मुकम्मल नही कर सका । अगर आज यह सावरेन बाडी यह फैसला कर दे कि पार्लियामेन्ट के मेम्बर साहबान को . . .

†[ ]Hindi transliteration.

SHRI AKBAR ALI KHAN: On a point of order. I think Members of Parliament have got no vested interests. They are just like other citizens. If they want anything either through a co-operative society or any other machinery, they should apply as citizens because Members of Parliament have got no right as Members of Parliament to get any preference over others.

श्री ए० बी० वाजपेयी : सभापति जी, हम लोगों को दिल्ली में जमीन मिले इसके हक में हम नहीं हैं और इसलिये कोई समिति बनाई जाय इसका सवाल ही पैदा नही होता । मैं यह जानना चाहता हूं कि किन सदस्यों की ओर से सस्ती दर पर जमीन दी जाय यह मांग की गई है ?

श्री मेहर चन्द खन्ना : नहीं ।

श्री ए० बी० वाजपेयी : प्रश्न के उत्तर में आपने कहा कि कुछ लोग आप से मिले थे और वे मांग कर रहे हैं कि उनको जमीन दी जाय ।

श्री मेहर चन्द खन्ना : मेरे से सस्ती जमीन किसी ने नहीं मांगी । मेरे से किसी ने रियायत नहीं मांगी । मेरे से यह कहा गया है कि अगर तुम्हारी हाउसिंग प्रांबलम किसी हद तक रिजौल्व हो सकती है और एम० पीज़० के लिये भी एक सोसाइटी या कोआपरेटिव सोसाइटी बन जाय तो उसमें जैसे औरो को जमीन देते हो वैसे एम० पीज़० को भी देने के लिये तैयार हो । मै आज भी ऐसा करने के लिये तैयार हूं । इस में जहां तक मुझे याद है किसी पार्टी वगैरह का ताल्लुक नहीं था । एक रिप्रज़न्टेशन आया था उस मे बहुत से मेम्बर साहबान के दस्तख़त थे । मेरे ख़याल मे, सब तरफ से आया था ।

श्री ए० बी० वाजपेयी : नहीं, नहीं हमारी तरफ से नहीं आया ।

(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: It seems that I have not been able to convince Members that I try to accommodate as far as possible. Why should they shout?

SHRI BHUPESH GUPTA: Sir, the position should be made absolutely clear as to why it is at all necessary for Members of Pariament who are given accommodation here, who come from distant parts of the country and for a limited period, to ask for land at concessional rates when local residents and others are not getting it. Do I have an assurance from the Government that no such advantageous accommodation shall be made available to Members of Parliament except in respect of those who are residents of Delhi or have *bona fide* reasons to live here? Therefore, the question of such a committee does not arise. Therefore, I should like to have a clear assurance from the Government that just because the housing problem is difficult, he will not allow Members of Parliament coming from all parts of the country—some of them, not all—to take advantage of the situation in order to secure land for themselves at concessional rate and build houses here.

SHRI MEHR CHAND KHANNA: As has been stated by Shri Akbar Ali Khan, a Member of Parliament is as good a citizen as anybody else. He has as good a charge on the Housing Minister as any other citizen. And if a request is made on the same lines like any other co-operative society, it will be looked into. But nowhere, as far as I can remember, have I said—and I can categorically say—that any concession was required in the matter of allocation of land or the purchase of land or the sale of land.

شری پیارے لال کریل "طالب" :

جناب والا - میں دلی میں کم سے کم ۲۰ یا ۲۵ سال سے رہ رہا ہوں لیکن میں ابھی تک اس قابل نہیں ہو سکا کہ ایک آرڈنری پلاٹ خرید پاسکوں - کیونکہ زمین عام طور پر آکشن کے ذریعہ خریدی جا سکتی ہے - ہم میں سے زیادہ تر ممبران غریب طبقے سے تعلق رکھتے ہیں ایک دو پرسنٹ کو چھوڑ دیجئے جو بڑے بڑے میگ نیٹ یا سالدار ہیں انڈسٹریلیسٹ ہیں مل مالک ہیں - ہم میں سے زیادہ تر ممبر اس قابل نہیں ہوں گے کہ اوپن مارکیٹ سے پلاٹ خرید سکیں - میں خود منسٹر صاحب سے پرسنلی ملا ہوں میرے چھ لڑکیاں ہیں- تین لڑکے ہیں ۱۹۵۲ع سے بنگلے کے لئے کوشش کر رہا ہوں لیکن مجھے ابھی تک الاٹمنٹ نہیں دیا گیا - حالاں کہ کتنے ہی بنگلے خالی ہوئے - اس کے بعد میں آنریبل منسٹر سے ملا - میں نے کہا مجھے کوئی جگہ ہی دلا دیجئے - انہوں نے کہا یہ ہو سکتا ہے اور آپ کسی زمین پر قبضہ کر لیں -

†[श्री प्यारेलाल कुरील "तालिब" : जनाब वाला, मैं दिल्ली में कम से कम बीस या पच्चीस साल से रह रहा हूं लेकिन मैं अभी तक इस काबिल नहीं हो सका कि एक ऑर्डिनरी प्लाट खरीद सकूं क्योंकि जमीन आम तौर पर आक्शन के जरिये खरीदी जा सकती है । हम में से ज्यादातर मेम्बरान गरीब तबके से ताल्लुक रखते हैं, एक दो परसेंट को छोड दीजिये जो बड़े बड़े मैगनेट या मालदार है, इन्डस्ट्रियलिस्ट है, मिल-मालिक है । हम में से ज्यादातर मेम्बर इस काबिल नही होंगे कि ओपिन मार्केट से प्लाट खरीद सकें । मैं खुद मिनिस्टर साहब से पर्सनली मिला हू। मेरी छः लड़किया है, तीन लड़के हैं । सन् १९५२ से बंगले के लिये कोशिश कर रहा हूं लेकिन मुझे अभी तक अलाटमेट नही दिया गया हालांकि कितने ही बंगले खाली हुए । इसके बाद मैं आनरेबिल मिनिस्टर साहब से मिला । मैंने कहा, "मुझे कोई जगह ही दिला दीजिये ।" उन्होंने कहा, "यह हो सकता है अगर आप किसी ज़मीन पर कब्जा कर लें ।"]

MR. CHAIRMAN: Kureel Saheb, please . . .

شری پیارے لال کریل "طالب" :

میں جناب والا سے یہ کہنا چاہتا ہوں . . .

†[श्री प्यारेलाल कुरील "तालिब" : मैं जनाबवाला से यह कहना चाहता हूं . . .]

MR. CHAIRMAN: Mr. Kureel, when I speak you do not speak. We cannot speak together at the same time . . .

شری پیارے لال کریل "طالب" :

تو میں جاننا چاہتا ہوں ان کے ساتھ . . .

†[श्री प्यारेलाल कुरील "तालिब" : तो मैं जानना चाहता हू उनके साथ . . .]

MR. CHAIRMAN: . . . I want to tell you that this is a privileged occasion. A mention of the autobiography may be allowed, but not at this time.

شری پیارے لال کریل "طالب" :

میں ان سے ملا ہوں - میں نے ان سے کہا ہے یا تو میرے لئے کوئی زمین دی

†[ ]Hindi transliteration.

جائے - میں ریزن ایبل ریٹس پر پیسہ دینے کے لئے تیار ہوں - یہ ممبر بننا بھی ایک سیاسی چسکہ ہے - ایک دفعہ جو سیاست میں گھس گیا اس کا پھر کوئی ذریعہ آمدنی نہیں رہ جاتا - میں چاہتا ہوں - ہمارے لئے کوئی انتظام کیا جائے -

†[श्री प्यारेलाल कुरील "तालिब" . मैं उनसे मिला हू । मैंने उन से कहा है या तो मेरे लिये कोई ज़मीन दी जाये, मैं रीजनेबिल रेट्स पर पैसा देने के लिए तैयार हू । यह मेम्बर बनना भी एक सियासी चस्का है । एक दफा जो सियासत मे घुस गया उसका फिर कोई जरिया आमदनी नही रह जाता । मैं चाहता हू हमारे लिये कोई इन्तजाम किया जाये ।]

श्री सभापति कुरील साहब, कुछ और फर्माना है तो फर्मा लीजिए ।

شری پیارے لال کریل "طالب" : نہیں جی - مہربانی ہے آپ کی -

†[**श्री प्यारेलाल कुरील "तालिब"** नही जी । मेहरबानी है आपकी ।]

श्री सैयद अहमद मै वजीर साहब से एक सवाल करना चाहता हू और वह यह है कि रफी मार्ग में पार्लियामेंट मेम्बरान के लिए जो मकानात बनाए जा रहे है पलेट्स बनाए जा रहे है, उनके बनने के बाद क्या हम लोगो को वेस्टर्न कोर्ट छोड देना पडेगा

श्री मेहर चन्द खन्ना अभी तो यह सवाल पैदा नही होता है । लेकिन थोडे दिन हुए मैं स्पीकर साहब को वहा पर ले गया था और जो फ्लेट्स पार्लियामेंट के मेम्बरान के लिए बन रहे है उन्हे दिखाया । मैंने उन्हे वहा पर क्लब, आडिटोरियम और जो फरनीचर हम पार्लियामेंट के मेम्बरो को देने वाले है वह भी दिखलाया । मैने स्पीकर साहब को एक चिट्ठी लिखी है और जिस की नकल जनाबवाला को भी भेजी है कि अनकरीब एक मीटिंग हो जाय जिसमे यह तय हो जाय कि कौन कौन सी एकोमोडेशन पार्लियामेंट के मेम्बरो के लिए रखी जाय और कौन सी एकोमोडेशन रीलिज कर दी जाय ताकि उसको जनरल पूल मे रख दिया जाय । यह चीज आपकी और स्पीकर साहब की मेहरबानी से तय हो जायेगी कि कौन कौन सी एकोमोडेशन पार्लियामेंट के मेम्बरो के लिये रखी जाय ताकि जो एकोमोडेशन बच जाय फिर हम दूसरे लोगो को दे सके ।

شری عبدالغنی : کیا وزیر صاحب بتلائیں گے کہ کوآپریٹیو ڈیری کے نام پر کچھ ہزار بیگھ زمین جھیل کرنجا میں کچھ لوگوں کو دے رکھی ہے - جس میں ان لوگوں نے لاکھوں روپئے کے مکانات کھڑے کر دئیے ہیں بجائے ڈیری کے اور جو انسٹلی اور آپس میں مل کر رہنا چاہتے ہیں کیا ان کے لئے وزیر صاحب یہ مناسب نہیں سمجھتے کہ ایسے بوگس لوگوں کو جو زمین دے رکھی ہے اور کانگریسیوں نے لے رکھی ہے ان سے چھین کر کے آدمیوں کو دے دی جائے تاکہ وہ ذاتی طور پر اپنے خاندان کی خدمت کر سکیں -

†[**श्री अब्दुल ग़नी** क्या वजीर साहब बतलायेंगे कि कोआपरेटिव डेरी के नाम पर कुछ हजार बीघा जमीन झील कुरंजा में कुछ लोगो को दे रखी है जिसमे उन लोगो ने लाखो रुपये के मकानात खड़े कर दिये हैं

†[ ]Hindi transliteration.

बजाय डेरी के । और जो आनेस्टली और आपस में मिल कर रहना चाहते हैं क्या उनके लिये वज़ीर साहब यह मुनासिब नहीं समझते कि ऐसे बोगस लोगों को जो जमीन दे रखी है और कांग्रेसियों ने ले रखी है उनसे छीन कर अच्छे आदमियों को दे दी जाये ताकि वह जाती तौर पर अपने खान्दान की खिदमत कर सकें ।]

श्री मेहर चन्द खन्ना : जहां तक डेरी का ताल्लुक है मैं उसके बारे में नहीं जानता हूं कि यह जमीन मैंने दी है या दिल्ली एडमिनिस्ट्रेशन ने दी है या डी० डी० ए० वालों ने दी है । लेकिन जहां तक पार्लियामेंट के मेम्बरान का ताल्लुक है मैं पहले भी तैयार था और आज भी तैयार हूं कि कोई ऐसा तरीका निकाल लिया जाय जिससे देश या टैक्स पेअर के ऊपर इसका बोझ न पड़े और जमीन भी मिल सके ।

SHRI M. R. SHERVANI: May I know, Sir, if a Member has been here for a couple of years and hopes to be here for another fifteen or twenty years, if he applies on individual basis to the Housing Ministry for a small plot, will it be considered favourably?

SHRI MEHR CHAND KHANNA: A Member of Parliament is a charge on the Housing Committee of both the Houses of Parliament. The Minister for Housing has no right to allot a house to a Member of Parliament, he does so on the recommendations of the House Committee.

SHRI M. R. SHERVANI: I want land.

SHRI MEHR CHAND KHANNA: I am coming to that because you kindly wrote to me the other day. You wanted and I told you that you have to approach the Chairman of the Housing Committee of the Rajya Sabha. As far as the question of land is concerned, lands are available in Delhi, lands are being sold every day in Delhi. There are plots which are available with the Delhi Administration. I do not think there should be any difficulty and if a Member of Parliament wants his case to be sponsored to the Delhi Administration, I shall be too happy to do so.

DEMOLITION OF JHUGGIS AND JHONPARIS OF BHOOLI BHATIARI KA JUNGLE

*356. SHRI B. K. GAIKWAD: Will the Minister of WORKS AND HOUSING be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the Jhuggis and Jhonparis of the people belonging to the Scheduled Castes at Bhooli Bhatiari Ka Jungle, Panchkiun Road, New Delhi were demolished by the special staff of Delhi Administration at mid-night and during rains on 7th July, 1964; and

(b) since when these people were residing there?

THE MINISTER OF WORKS AND HOUSING (SHRI MEHR CHAND KHANNA): (a) No huts were demolished at mid-night on the 7th July, 1964. The demolition operations were carried out during day time on various dates in June, July and August 1964, as unauthorised huts were put up again and again by certain squatters.

(b) These squatters put up unauthorised huts for the first time in the third week of June, 1964.

SHRI B. K. GAIKWAD: My question is since when these hutment dwellers are residing on those sites? He says 3rd June 1964. You will find that the huts are there for years together.

SHRI MEHR CHAND KHANNA: No, not in this case.